नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आस्था के सहारे आतंकवाद को जवाब

पवित्र अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हमेशा से ही आस्था और भक्ति का प्रतीक रहा है, लेकिन इस वर्ष इसका महत्व कहीं अधिक गहरा गया है. 3 जुलाई, 2025 को शुरू हुई यह 38 दिवसीय यात्रा, जो 9 अगस्त को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर संपन्न होगी, मात्र एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति और अटूट विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है. विशेषकर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बावजूद, जिस तरह से श्रद्धालुओं का उत्साह और पंजीकरण का आंकड़ा (साढ़े तीन लाख से अधिक) बरकरार है, वह यह साबित करता है कि आतंकवादी अपने नापाक मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होंगे.

इस यात्रा का पहला जत्था, जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. यह सिर्फ यात्रियों की आवाजाही नहीं, बल्कि राष्ट्र के अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का मार्च था.जिस तरह से प्रत्येक श्रद्धालु के चेहरे पर भगवान शिव के दर्शन की लालसा झलक रही थी, वह किसी भी आतंकी साजिश से कहीं अधिक शक्तिशाली है. पहलगाम की घटना के बाद, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया गया है. लगभग 50,000 अर्ध सैनिक बलों की तैनाती, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का समन्वय, ड्रोन निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकें, यह सब केवल सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास को और मजबूत करने के लिए है. यह दिखाता है कि सरकार और सुरक्षा बल श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध हैं.

पहाड़ी बचाव दल और चिकित्सा सुविधाओं की व्यापक उपलब्धता भी यह सुनिश्चित करती है कि प्राकृतिक चुनौतियों का सामना भी पूरी तैयारी के साथ किया जा सके. यह अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा आतंक के खिलाफ हमारी दृढ़ता का स्पष्ट संदेश है. हालांकि राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र को भी और चौकस रहने की जरूरत है. दरअसल, सीमा पार से संचालित आतंकवादी संगठन और उनके आका लगातार जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने और लोगों के मन में डर पैदा करने की कोशिश करते रहे हैं. उनका उद्देश्य पवित्र यात्राओं को बाधित करना और धार्मिक सद्भाव को बिगाड़ना है, लेकिन अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का यह अथाह उत्साह और अटूट विश्वास उनकी सभी साजिशों पर भारी पड़ा है. यह यात्रा न केवल एक धार्मिक कर्तव्य का निर्वहन है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ एक मौन, फिर भी शक्तिशाली विरोध भी है.

जब लाखों श्रद्धालु इतनी कड़ी सुरक्षा के बीच, विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी पवित्र गुफा की ओर बढ़ते हैं, तो यह आतंकवादियों और उनके समर्थकों को एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत के लोग न तो डरेंगे और न ही झुकेंगे. वे अपनी आस्था और अपने देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं. यह यात्रा आतंकवादियों के 'नैरेटिव' को ध्वस्त करती है और दिखाती है कि जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो रही है और शांति की इच्छा हर भय से ऊपर है.

अमरनाथ यात्रा 2025 केवल तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि भारत की अविचल आत्मा, अटूट आस्था और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता का प्रतीक है. यह यात्रा साबित करती है कि आस्था की अग्नि और राष्ट्रीय एकता का बल किसी भी नापाक इरादे से कहीं अधिक शक्तिशाली है. जाहिर है बाबा बर्फानी के प्रति आस्था दरअसल आतंकवादियों को श्रद्धालुओं का करारा जवाब है कि आतंकवाद के आका भारतीयों के हौसलों को कभी नहीं डिगा पाएंगे.

पुण्यतिथि पर विशेष

भारतीय राष्ट्रवाद के जागरण कर्ता विवेकानंद

सुरेन्द्र शर्मा

हे निर्भय चरित्र धैर्य रखो ,उत्साहित हो गर्व करो कि तुम एक भारतीय हो और गर्व से उद्घोष करो कि मैं एक भारतीय हूं ,हर भारतीय मेरा भाई है भारत मेरा जीवन है भारत का भला मेरा भला है. आओ सभी मिलकर परिश्रम करें मेरे भाइयों यह कोई सोने का समय नहीं है हमारे कार्य पर निर्भर है भविष्य में आने वाला भारत . वह हमारी मातृभूमि हमारे लिये तैयार खड़ी है वह तो केवल सो रही है .उठो और जागो और देखो उसे बैठा अपने सनातन सिंहासन पर पुनरुत्थित ,पुनर्जीवित पहले से अधिक गौरवशाली हमारी मातृभूमि. देशवासियों के अंदर राष्ट्रवाद की इस प्रखर ज्वाला को प्रज्वलित करने वाले थे युग नायक स्वामी विवेकानंद.

पुण्य भूमी भारत सदैव से ही वीर प्रसूता रही है भारत जननी ने ऐसे वीर पुत्रों को जन्म दिया है जिन्होंने अपने तप ज्ञान कर्म कौशल से भारत का मस्तिष्क ऊंचा किया है और दुनिया को राह दिखाई है,ऐसे ही एक संन्यासी योद्धा स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था . पिताजी विश्वनाथ दत्त कोलकाता के सुप्रसिद्ध बकील थे तो माता भवनेश्वरी देवी एक धार्मिक विचारों वाली आदर्श महिला..

स्वामी जी के बचपन की तमाम घटनाओं से लेकर उनके उनके स्वामी विवेकानंद बनने तक की सभी घटनाएं अर्थात बालक बिले (स्वामी जी के बचपन का नाम) के बचपन की शरारतें या फिर युवा नरेन्द्र का जिद्दी स्वभाव हो या फिर स्वामी रामकृष्ण परमहंस स्पर्श पाकर स्वयं की अनुभूति या उसके पश्चात दुनिया को भारत की ज्ञान शक्ति का एहसास करने वाले स्वामी विवेकानंद के बारे में भारत का प्रत्येक व्यक्ति जानता है.

स्वामी विवेकानंद का भारत के क्षितिज पर उदय उस समय हुआ जब सदियों की दासता से ग्रसित भारत अपने स्व को भूल चुका था और अंग्रेजों के अत्याचारों से कराह रहा था.

कभी विश्व गुरु कहलाने वाले भारत को उस समय पश्चिम के देश सपेरों और बंदर नचाने वालों का देश कह कर पुकारते थे स्वामी जी ने उसे कठिन काल में न केवल भारत को उसके स्व का एहसास कराया बल्कि दुनिया को भारत के ज्ञान के सम्मुख नतमस्तक करने का काम भी किया.

11 सितंबर 1893 दुनिया के इतिहास का स्वर्णिम दिन है जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता शिकागो धर्म सभा के हजारों दर्शकों से खचाखच भरे सभागृह के मंच पर सभी धर्म के ज्येष्ठ श्रेष्ट प्रतिनिधि विराजमान थे जो सभापति की आज्ञा से अपने धर्म का संक्षिप्त परिचय देकर अपना स्थान ग्रहण कर लेते थे उन सब के अंत में बोलने का अवसर मिला भारत के प्रतिनिधि युवा संन्यासी अर्थात स्वामी विवेकानंद जी को, भगवा वस्त्र पहने आध्यात्मिक तेजोमय चेहरे की ओर संपूर्ण सभा का ध्यान बरबस खिंचता ही चला गया, स्वामी जी के मुखारविंद से निकले पहले ही वाक्य अमेरिका के निवासी मेरे भाईयो और बहनों ने ऐसा जादू किया कि करतल ध्वनि से सभागार गुंजायमान हो उठा, स्वामी जी के शब्दों की शक्ति एवं भारत के आत्मीय स्नेह के आनंद से श्रोता भाव विभोर हो गए.

जैसे जैसे स्वामी जी बोलते जाते श्रोतागण खड़े होते जाते चारों ओर हो रही करतल ध्वनि रुकने का नाम नहीं ही ले रही थी पश्चिमी देशों के संवेदना शून्य हृदय में कुछ समय के लिए मानव जाति के एकत्व की अनुभूति उत्पन्न हो गई थी स्वामी जी की वाणी में मानव की मानव के प्रति संवेदना वसुधैव कुटुंबकम् की भावना प्रकट हो रही थी.

अपनी उन्नति अपनी समृद्धि पर गर्व करने वाला पश्चिम पागलों की भांति स्वामी जी के पीछे घूमने लगा वहां के समाचार पत्रों ने लिखा उनका भाषण सुनने के बाद भारत जैसे ज्ञान समृद्धि देश में धर्म प्रचारक भेजने की बात करना मूर्खता है. भगिनी निवेदिता ने लिखा है-, स्वामी जी ने जब शिकागो महासभा में भाषण देना प्रारंभ किया तो हिंदू संस्कृति का अतीत उनके माध्यम से श्रोताओं के समक्ष खड़ा हो गया भारत के गौरवशाली भूतकाल की ज्योति देखकर वहां उपस्थित लोग हतप्रभ हो गए पर जब स्वामी विवेकानंद का भाषण समाप्त हुआ तब आधुनिक हिंदू धर्म की सृष्टि हुई.

स्वामी जी कहते थे यदि राष्ट्र को जीवित रखना है तो उसके निवासियों के अंदर राष्ट्रीय भावना होना आवश्यक है यह भाव विश्व के लिए कार्य करता है और उसकी धारणा के लिए आवश्यक है जिस दिन विश्व की धारणा के लिए उसे भाव की तत्व रूप में आवश्यकता समाप्त हो जाती है उसे दिन उस राष्ट्र का विनाश हो जाता है हम भारतवासी इतनी आपत्तियां दुख दरिद्र एवं अन्तर्वाह अत्याचारों को झेल कर भी अब तक जीवित हैं यही प्रमाण है कि हमारा कोई राष्ट्रीय भाव है जिसकी विश्व की धारणा के लिए आवश्यकता है. इस राष्ट्रीय भाव को ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राष्ट्र की आत्मा अथवा चिति कहा है.

प्रदेश कार्य समिति सदस्य भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश

दिल्ली डायरी

जुलाई में मिलेगा भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रवेश कुमार मिश्र

पिछले कुछ दिनों से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर चल रहे ऊहापोह अब समाप्त होने जा रहा है. चर्चा है कि लोकसभा के मानसून सत्र के पहले भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा.

जानकार बता रहे हैं कि संघ और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच नए अध्यक्ष के नाम पर सहमति नहीं बनने के कारण ही 14 राज्यों के नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद इस प्रक्रिया पर विराम लग गया था लेकिन सहमति बनने के बाद पांच और राज्यों के नए अध्यक्ष के नाम पर मुहर लगा दी गई है. क्योंकि पार्टी संविधान के मुताबिक 19 राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही औपचारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव की प्रक्रिया आरंभ होती है. चर्चा है कि 10 जुलाई तक लगभग 21 राज्यों में अध्यक्ष चयन की औपचारिकता पूरी कर ली जाएगी. यानी 10 जुलाई के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया आरंभ होगी.

बिहार को मिलने लगा केन्द्र का तोहफा

अक्टूबर - नवम्बर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में वैसे तो सभी दलों के रणनीतिकार लगातार बिहार के राजनीतिक समीकरण को साधने के प्रयास में जुटे हैं लेकिन केन्द्र की राजग सरकार जिस तरह से चुनाव के पहले बिहार के लिए रेल सेवा, हवाई अड्डा, विभिन्न स्थानों को जोड़ने वाली सड़क को लेकर घोषणा कर रही है उसे राजनीतिक दलों के लोग चुनावी सौगात बता रहे हैं. इतना ही नहीं जहां एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले कुछ महीनों में लगातार बिहार का दौरा कर चुनावी माहौल को राजग के पक्ष में करने के प्रयास में लगे हैं वहीं दूसरी ओर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बिहार की राजनीति में कांग्रेस की पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं.

दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि केंद्र सरकार इन दिनों खास तौर पर बिहार में विकास कार्य पर फोकस करते हुए लगभग सभी मंत्रालयों की ओर त्वरित गति कार्ययोजना को लागू कराने के प्रयास में लगी हुई है. कहा जा रहा है कि प्रदेश की नीतीश कुमार सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर को खत्म करने के लिए केन्द्र द्वारा विकास कार्य बहुस्तरीय योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है.

राजग व इंडिया गठबंधन में बेचैनी

चुनावी रणनीतिकार व जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के नेतृत्व में जिस तरह से बिहार की राजनीति में जनसुराज आगे बढ़ रहा है उससे दोनों पक्षों के रणनीतिकार बेचैन हो गए हैं. जहां एक तरफ इंडिया गठबंधन में शामिल प्रमुख दल राजद व कांग्रेस को अल्पसंख्यक वोटबैंक में जनसुराज की ओर से की जा रही सेंधमारी से बेचैनी है वहीं दूसरी ओर भाजपा व जदयू को उनके कोर वोटबैंक के बिखरने की चिंता सता रही है. चर्चा है कि जनसुराज एक विशेष रणनीति के तहत जहां एक तरफ अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखने वाले उम्मीदवारों को जनसंख्या के हिसाब से उतारने की तैयारी कर रहा है वहीं दूसरी ओर उच्च जातियों,ओबीसी, इबीसी और अनुसूचित जातियों के ताकतवर नेताओं को महत्वाकांक्षी बनाकर उन्हें अपने से जोड़ने का तेज प्रयास किया जा रहा है.

मुख्यमंत्री बदलने की लड़ाई दिल्ली पहुंची

2023 में सरकार बनने के बाद से ही कर्नाटक कांग्रेस में आरंभ हुई खेमेबाजी अब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बदलने तक पहुंच गई है. प्रदेश अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने चुनावी फतह के बाद ही पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व पर मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए दबाव बनाया था लेकिन पार्टी के वरिष्ठ रणनीतिकारों के सुलह प्रस्ताव के बाद शिवकुमार उपमुख्यमंत्री पद से संतुष्ट हुए थे. लेकिन लगभग ढाई साल के बाद मुख्यमंत्री बदलने का अभियान आरंभ हो गया है. शिवकुमार गुट का दावा है कि ढाई ढाई साल के फार्मूले के तहत ही सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई थी. इसलिए मुख्यमंत्री परिवर्तन जरूरी है. चर्चा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विरोधी गुट को शांत करने के लिए आश्वस्त किया है कि पार्टी जल्द इस विषय पर फैसला करेगी. इसके बाद से दिल्ली में दोनों गुटों की ओर से लाबिंग तेज कर दी गई है.

दलाई लामा के उत्तराधिकारी की खोज

तिब्बतियों के धर्मगुरु व राजनीतिक प्रमुख दलाई लामा 6 जुलाई को 90 वर्ष के हो जाएंगे. माना जाता है कि वह शीघ्र ही अपने उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा करेंगे. दलाई लामा को विद्वत्ता का महासागर और अवलोकितेश्वर बोधिसत्व का अवतार माना जाता है. बोधिसत्व वह होते हैं, जो अत्यंत करुणामय होने के अलावा अपने निर्वाण के पूर्व अपने अनुयायियों को मुक्ति प्रदान करते हैं. प्रथम दलाईलामा गेदुन द्रुपा का जन्म 1391 में हुआ था. वर्तमान दलाई लामा का वास्तविक नाम तेनजिन ग्यात्सो हैं. जब तिब्बत पर चीन का हमला हुआ था, तो वह अपने अनुयायियों के साथ भारत चले आए थे और हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में अपनी निर्वासित सरकार चलाते हैं. चीन उन्हें गद्दार मानता है और कहता है दलाई लामा को तिब्बतियों का प्रतिनिधित्व करने का कोई अधिकार नहीं है. 2011 में दलाई लामा ने कहा था कि उनका अगला अवतार या नया दलाई लामा किसी आजाद देश में जन्म लेगा, न कि चीन के नियंत्रण वाले क्षेत्र में. उन्होंने चेतावनी दी थी कि चीन अपने राजनीतिक उद्देश्यों से किसी को दलाई लामा घोषित न करे. उसे ऐसा चयन करने का अधिकार नहीं है. स्वप्न में मिले संकेतों तथा कुछ विशिष्ट लक्षणों वाले कुशाग्र

बच्चे को देखकर तय किया जाता है है कि वह पिछले किसी दलाई लामा का अवतार है, फिर उस बच्चे को अपने मठ (मोनास्ट्री) में रखकर उसे अपनी जिम्मेदारियों के लिए प्रशिक्षित व तैयार किया जाता है. वर्तमान दलाई लामा को सिर्फ 2 वर्ष की आयु में पहचान लिया गया था. जब 13 वें दलाई लामा का 1933 में निधन हो गया था, तो उसके 6 वर्ष बाद अन्वेषण दल ने वर्तमान दलाई लामा को खोज निकाला था और फिर उन्हें प्रशिक्षण दिया गया था. 2011 में दलाई लामा ने निर्वासित तिब्बती संसद को सूचित किया था कि उन्हें पदमुक्त कर उनके उत्तराधिकारी की खोज की जाए. दलाई लामा की यह परंपरा 368 वर्षों से लगातार चली आ रही है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

दोस्ती के बाद दुश्मनी का तरीका ट्रंप भेजेंगे मस्क को अफ्रीका

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पूर्व सहयोगी व टेस्ला ईवी कार के निर्माता एलोन मस्क को अफ्रीका वापस भेजने की धमकी दी है. मस्क के पिता अब भी दक्षिण अफ्रीका में रहते हैं.

हमने कहा, इसमें धमकी की क्या बात है. ट्रंप को लगता होगा कि बेटे को बुजुर्ग बाप की सेवा करने के लिए भेज देना ठीक रहेगा. किसी को उसके देश वापस भेजने में ट्रंप हमेशा आगे रहे हैं. भारत से अवैध रूप से अमेरिका गए लोगों को हथकड़ी-बेड़ी से जकड़कर सैनिक मालवाही हवाई जहाज में ठूंस कर उन्होंने वापस भेजा था. जो डंकी रूट से अमेरिका गया, उसे वह गधे की तरह वापस भेज देते हैं. मेक्सिको से गैरकानूनी तौर पर आए लोगों को भी ट्रंप अपने देश से भगाने में लगे हैं. एक बार तो उन्होंने मेक्सिको की सीमा पर बर्लिन वाल जैसी दीवार बनाने की बात कही थी.

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, अमेरिका में ओरिजिनल लोग सिर्फ वहां के मूल निवासी रेड इंडियन हैं, जिन्हें फीनिक्स एरिजोना क्षेत्र में बसाया गया है. जितने भी गोरे

अमेरिकी हैं, उनके पूर्वज इंग्लैंड, जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड आदि यूरोपीय देशों से अमेरिका आए थे. इसके अलावा यूरोप के देशों ने अपने यहां के खतरनाक अपराधियों को पानी के जहाजों में बिठाकर अमेरिका भेज दिया था. यह एक तरह का देश निकाला था. यूरोपीय लोगों ने अमेरिका की धरती पर पहुंचकर जानवरों के समान रेड इंडियनों का शिकार किया था. इसलिए उनकी आबादी बहुत कम रह गई. अमेरिका खुद ही खानाबदोशों की बस्ती है, जो लगभग 400 वर्ष पहले वहां आकर बसे. 1776 में अमेरिका ने ब्रिटेन से आजादी पाई थी. जॉर्ज वॉशिंगटन के नेतृत्व में स्वाधीनता युद्ध लड़ा गया था. यदि बाहरी देशों के लोगों को निकालना है, तो क्या जर्मन और यहूदी लोग भी बाहर भेजे जाएंगे? ओपनहाइमर जैसे जर्मन वैज्ञानिक ने अमेरिका को एटम बम बनाकर दिया था. महान वैज्ञानिक आइंस्टीन भी यहूदी थे. अमेरिका की आईटी, चिकित्सा, स्पेस प्रोग्राम, बायोटेक्नोलाजी, बिजनेस, बैंकिंग में भी भारतीयों की भूमिका है.

हमने कहा, अमेरिका में स्वतंत्रता की देवी या स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी की प्रतिमा भी उसे फ्रांस ने भेंट की थी. क्या उसे भी ट्रंप वापस भेजने की सोचेंगे? इतना सनकी होना भी अच्छा नहीं है. अमेरिका को ग्रेट बनाने वाले बाहरी देशों के लोग ही रहे हैं.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11952

- डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. एक बड़ा पक्षी जिसकी गर्दन ऊंट के समान होती है (उर्दू) 2. सिलसिला, तरतीब 4. मित्र, दोस्त, हर समय का साथी (उर्दू) 5. एक आंख का, एकाक्ष 6. पार लगाना, डूबते हुए को बचाना 9. कष्ट अथवा सजा देने की क्रिया या भाव 10. वाद्य यंत्र, बाजा, औजार (उर्दू) 11. आवरण हटाना, जारी करना 14. विदूषक, हास परिहास करने वाला 15. असीम, अतिशय 16. हाथ का छापा, चिन्ह डालने का छापा, साचा 17. सुंदर स्त्री, जीभ 18. विश्वास, एतबार (उर्दू) 19. किया हुआ कार्य, काम, चित्र ग्रंथ वास्तु आदि के रूप में बनाई हुई वस्तु

बाएं से दाएं

1. एक प्रसिद्ध ग्रह, चमकीला, धन्यवाद 3. सहयोग, सहायता, मदद 7. च्तूज् शब्द का बहुवचन रूप 8. निषिद्ध, वर्जित 9. देवता-गुरुजन आदि को देने पर बची हुई वस्तु जो काम में लाई जाए अनुग्रह 11. गंवाना, भूल से कोई वस्तु कहीं पर छोड़ देना 12. इस मलिका की याद में ताजमहल बनाया गया था 13. किसी वस्तु या व्यक्ति का बोध कराने वाला शब्द, संज्ञा 15. यतीमखाना 19. दया, अनुग्रह, मेहरबानी 20. एक प्रकार की सवारी जिसे कहार लेकर चलते है 21. टेढ़ा, वक्र, जो सीधा न हो 22. सास का पिता

Solution 11951

म	न	मु	टा	व		फ	ड़
हा	थ		उ	ल	झ	न	
का		वि	न	य		फ	र्ज
य	क्ष		हाँ		डे	ना	
	त	र	ल	ता		ना	द
द्र	वि	त		र	मा		हा
व	क्ष		अ	पी	ल		ड़
	त	पो	व	न		बो	ना

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष केप्रारंभ में अचानक धन लाभ का योग है, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में राजनैतिक क्षेत्र में विवाद के कारण मन खिन्न रहेगा, साझेदारी में विवाद बढ़ेगा, धन संकट का सामना करना होगा, वर्ष के अन्त में व्यक्तिगत संबंधों मेंसुधार होगा, मित्रों के सहयोग से लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों से धन संकट का सामना करना पड़ेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का साझेदारी में विवाद बढ़ेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्रों का सहयोग, व्यापार मं वृद्धि होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक मित्रों की मदद मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को निजी पुरूषार्थ की प्राप्त होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्रों का सहयोग रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक निडर, साहसी, महत्वाकांक्षी एवं आकर्षक व्यक्तित्व का होगा. बचपन में स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा. अस्थिर बुद्धि का होने से उटपटांग बात करेगा. विद्या प्रारंभ में कम एवं बाद में अच्छी रहेगी. मित्रों की संख्या अधिक होगी. माता पिता का आदर करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

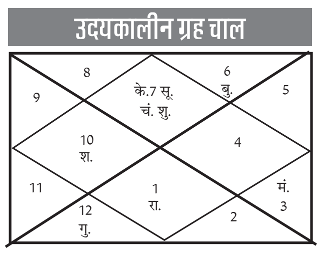

पंचांग

रा.मि. 13 संवत् 2082 आषाढ़ शुक्ल नवमीं भृगुवासरे शाम 4/29, चित्रा नक्षत्रे शाम 5/43, शिव योगे रात 9/7, कौलव करणे सू.उ. 5/14 सू.अ. 6/46, चन्द्रचार तुला, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

व्यापार भविष्य

आषाढ़ शुक्ल नवमीं को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, के भाव तमें 30 से 40 रूपये मंदी होगी. धान्यों के भाव में अस्थिरता रहेगी. कपास, वस्त्र जूट, पाट, बारदाना, के भाव में मंदी होगी. भाग्यांक 3441 है.

मेष- छोटे छोटे झगड़े बड़े विवाद का रूप ले सकते हैं. दिनचर्या अनियमित रहेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी. खानपान पर संयम रखें. विवाद को टालें.

वृषभ- वैभव के सामान पर बड़े खर्च की संभावना है. अपने काम को वरीयता से निपटाने का प्रयास करें. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा. नियमितता का ध्यान रखें.

मिथुन- जोखिम के कार्यो में नुकसान हो सकता है. सावधानी बांछनीय. यश, मान सम्मान प्राप्त होगा. अधिकारी वर्ग आपकी भरपूर मदद करेंगे. संतोष बना रहेगा.

कर्क- बुजुर्गो के मार्गदर्शन से अच्छी सफलता मिलेगी. पारिवारिक सहयोग भरपूर मिलेगा. धार्मिक कार्यो मेंसुखरहेगा. परिश्रम की अधिकता रहेगी.

सिंह- जो भी कार्य शुरू करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी. अधूरी योजना को फिर से शुरू करेंगें. व्यर्थ के तनाव को टालें. पूज्य व्यक्ति की सलाह हितकारी रहेगी.

कन्या- बुजुर्गो के मार्गदर्शन से लाभ का योग है. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. व्यापार की योजना कारगर रहेगी. मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी.

तुला- प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं. विवादास्पद मामले सुलझ सकते हैं. आपकी बुद्धिमानी और सूझबूझ से बिगड़ा काम बनेगा.

वृश्चिक- दूसरों के मामलों में दखल से बचें. अटके काम को पूरा करने में दूसरों की मदद मिलेगी. शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी. नियमितता का ध्यान रखें.

धनु- वैभव विलासिता के कार्यो में खर्च होगा. खरीददारी में विशेष रूचि रहेगी. वाहन चलाते समय सावधानी रखें. आकस्मिक धन लाभ का योग है.

मकर- कार्यस्थल पर आपके कामकाज की मिलीजुली प्रतिक्रिया रहेगी. जमकर जायजाद प्रापर्टी के कार्यो में सफलता मिलेगी. संबंधों में आपकी मधुरता रहेगी.

कुम्भ- किसी पर भी भरोसा सोच समझकर करें. परिणय चर्चाओं में सफलता के आसार है. नौकरी के कार्यो में अधिकता रहेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी.

मीन- कार्यक्षेत्र में आ रही परेशानियां दूर होंगी. परिचितों के कारण अपना काम करने में मुश्किल आ सकती है. आय से अधिक व्यय होगा. लाभ सामान्य रहेगा.

SUDOKU 7084

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7083

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4